आईपीओ लाने की तैयारी में कंपनियां

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष के दौरान करीब 9,000 करोड़ रुपए की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की योजना बनाई है, ताकि अपनी कारोबार विस्तार और कार्यपूंजी की जरूरतें पूरी की जा सकें। कैथोलिक सीरियन बैंक, एजीएस ट्रांजैक्ट टेक्नोलाजीज, श्रीपुष्कर केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स, दिलिप बिल्डकॉन, एसएच केलकर एंड कंपनी, अमर उजाला और नवकर कॉर्पोरेशन उन कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने आने वाले महीनों में आरंभिक शेयर बिक्री पेशकश लाने की योजना बनाई है। प्राइम डाटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा कि फिलहाल 11 कंपनियों ने 5,010 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि 11 अन्य कंपनियों ने 3,602 करोड़ रुपए जुटाने के लिए दस्तावेज का मसौदा सौंपा है और वे मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। हल्दिया ने कहा कि हालांकि इस सूची में कोई बड़ी

पेशकश नहीं है। इन कंपनियों ने आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि का उपयोग क्षमता, ऋण पुनर्भुगतान और कार्यपूंजी अनिवार्यता के लिए करने की योजना बनाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के दौरान आईपीओ बाजार में कुछ गतिविधि देखने को मिल सकती है, क्योंकि दर्जनों कंपनियों ने पिछले दो महीनों में सेबी के पास सार्वजनिक पेशकश के संबंध में आवेदन किया है। इसके अलावा सेबी ने स्टार्टअप कंपनियों को आईपीओ के जरिए धन जुटाने में मदद करने के लिए इस संबंध में एक दस्तावेज का मसौदा जारी किया है। पिछले महीने तीन कंपनियों-आईनॉक्स विंड, ऐडलैब्स एंटरटेनमेंट और ऑर्टेल कम्युनिकेशंस ने अपना आईपीओ पेश किया था। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान आईपीओ द्वारा जुटाई गई राशि 2,769 करोड़ रुपए रही जो 2013-14 के मुकाबले 919 करोड़ रुपए थी।